ऐब लिंकन की हैट

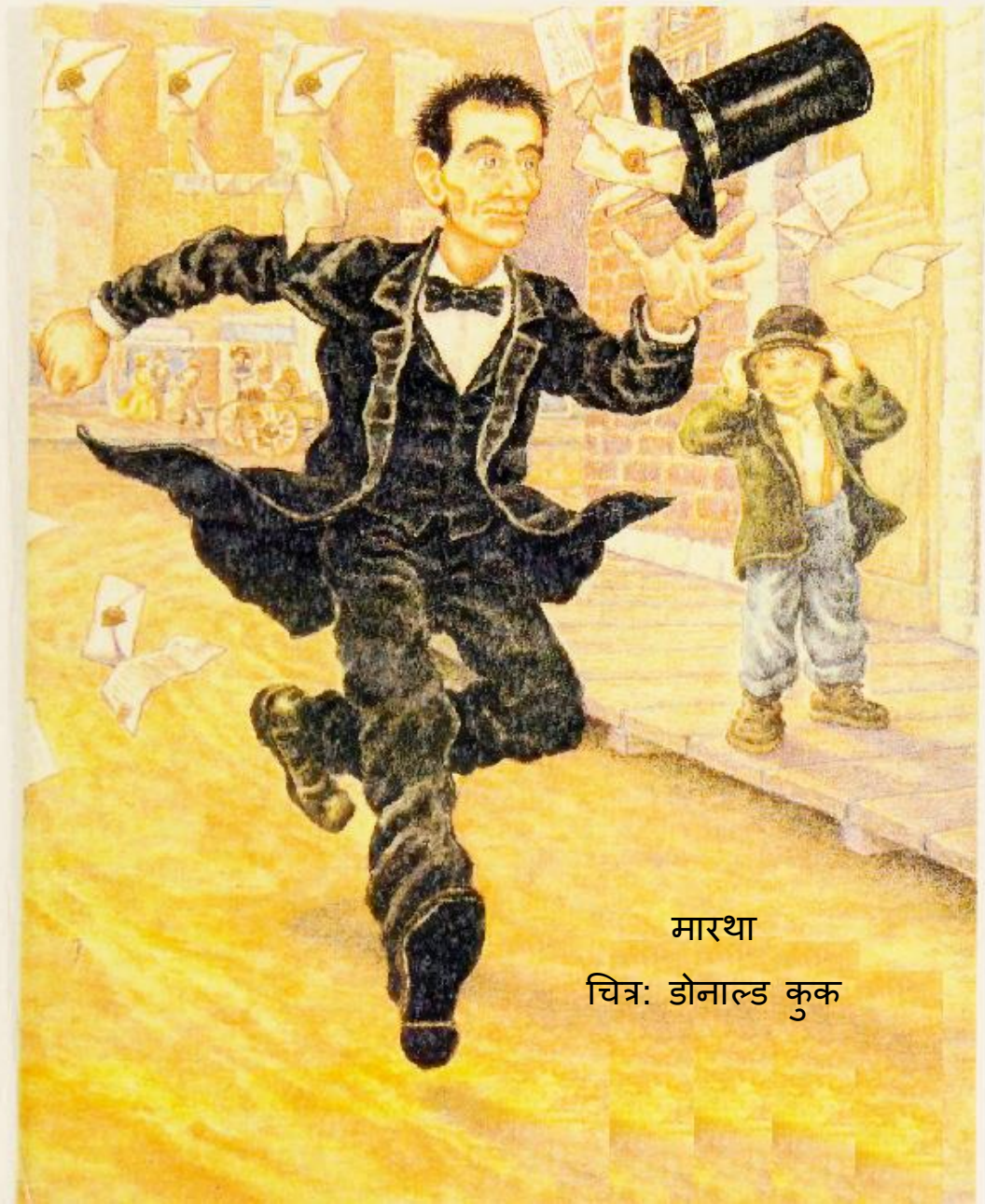

मारथा

चित्र: डोनाल्ड कुक

ऐब लिंकन की हैट

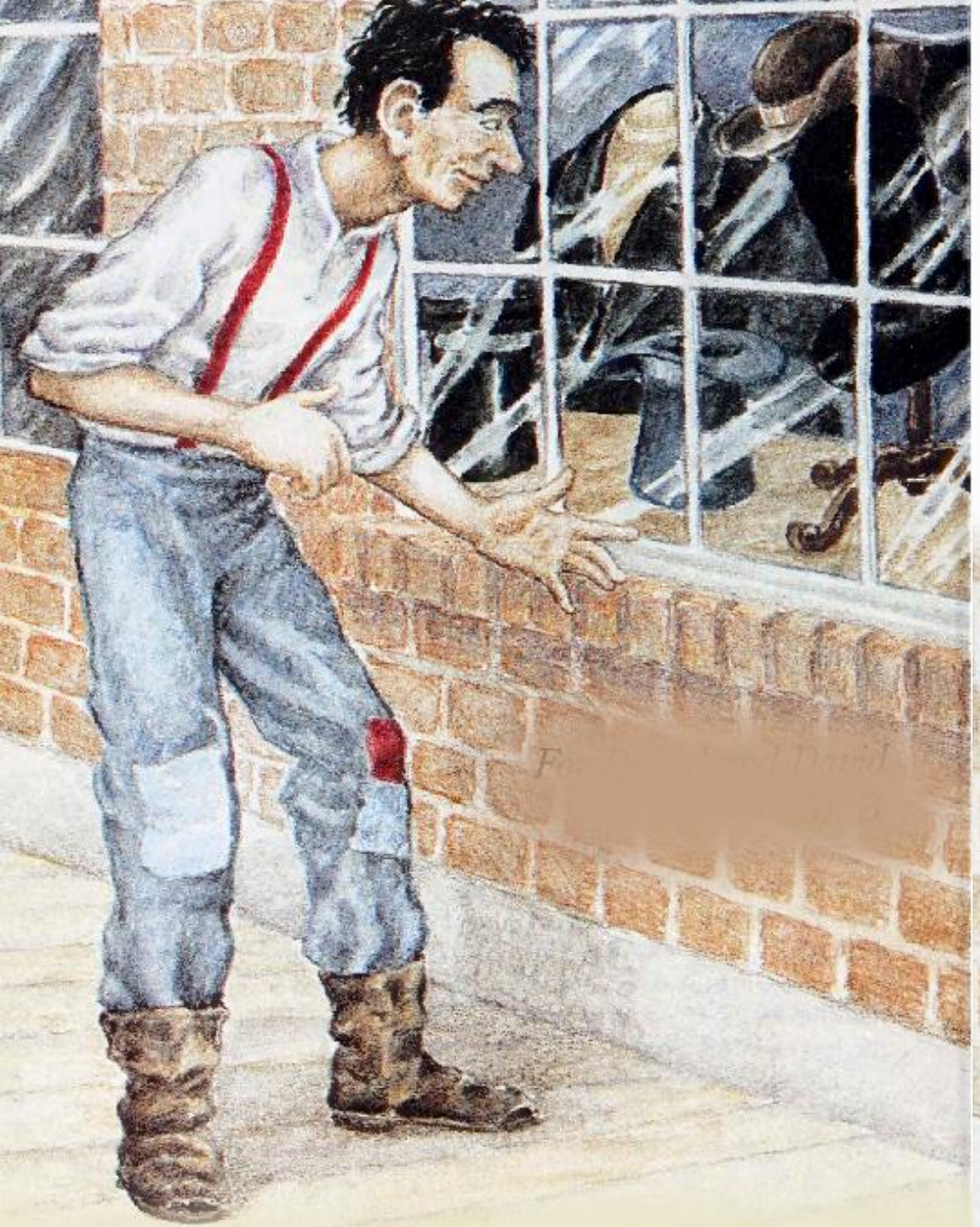

ऐब लिंकन के पास अधिक पैसे न थे.

लेकिन जब वह एक वकील बने तो

वह अच्छा दिखना चाहते थे.

उन्होंने एक काला लंबा कोट और

एक ऊँचा काला हैट खरीदा.

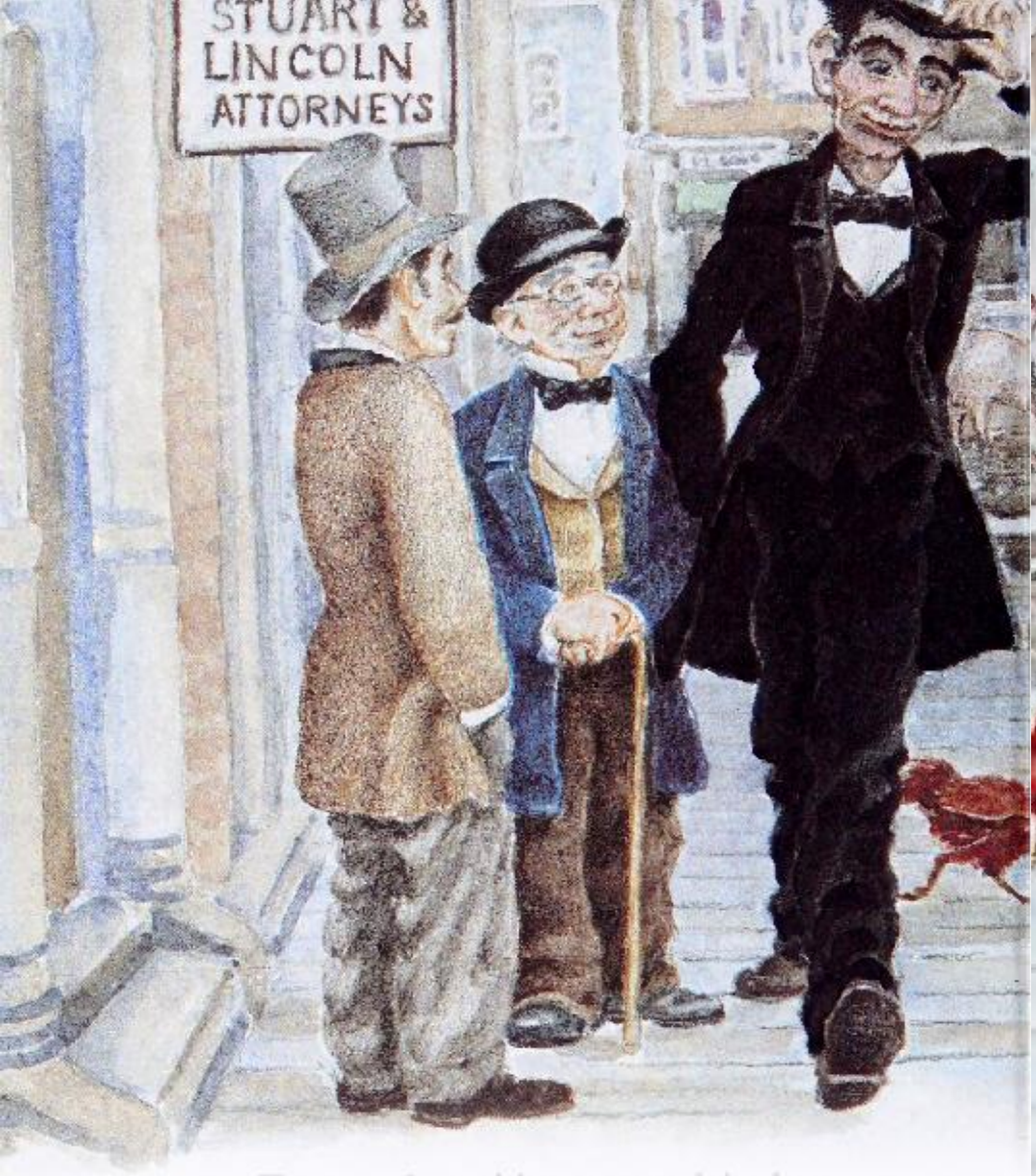

हर दिन अपने नये काम पर जाते समय

वह अपना हैट पहनते.

ऊँचा हैट पहने एक लंबे आदमी को

लोग देखते.

उनकी सबके साथ मित्रता थी.

जब किसी को वकील की ज़रुरत होती

तो वह उनके पास आता.

ऐब इलिनाय में रहते थे.

उनका राज्य प्रायः निर्जन था.

फिर धीरे-धीरे लोग वहाँ आकर बसने लगे.

उन लोगों ने घर और खेत बनाये

और नये नगर बसाये.

कई बार उनकी आपस में नहीं बनती नहीं थी.

धन और ज़मीन और पशुओं को लेकर

उन में झगड़े हो जाते थे.

ऐब जैसे वकील उनके झगड़े सुलझा कर

उनकी सहायता कर सकते थे.

अदालत में न्याय पाने में वह लोगों की

मदद कर सकते थे.

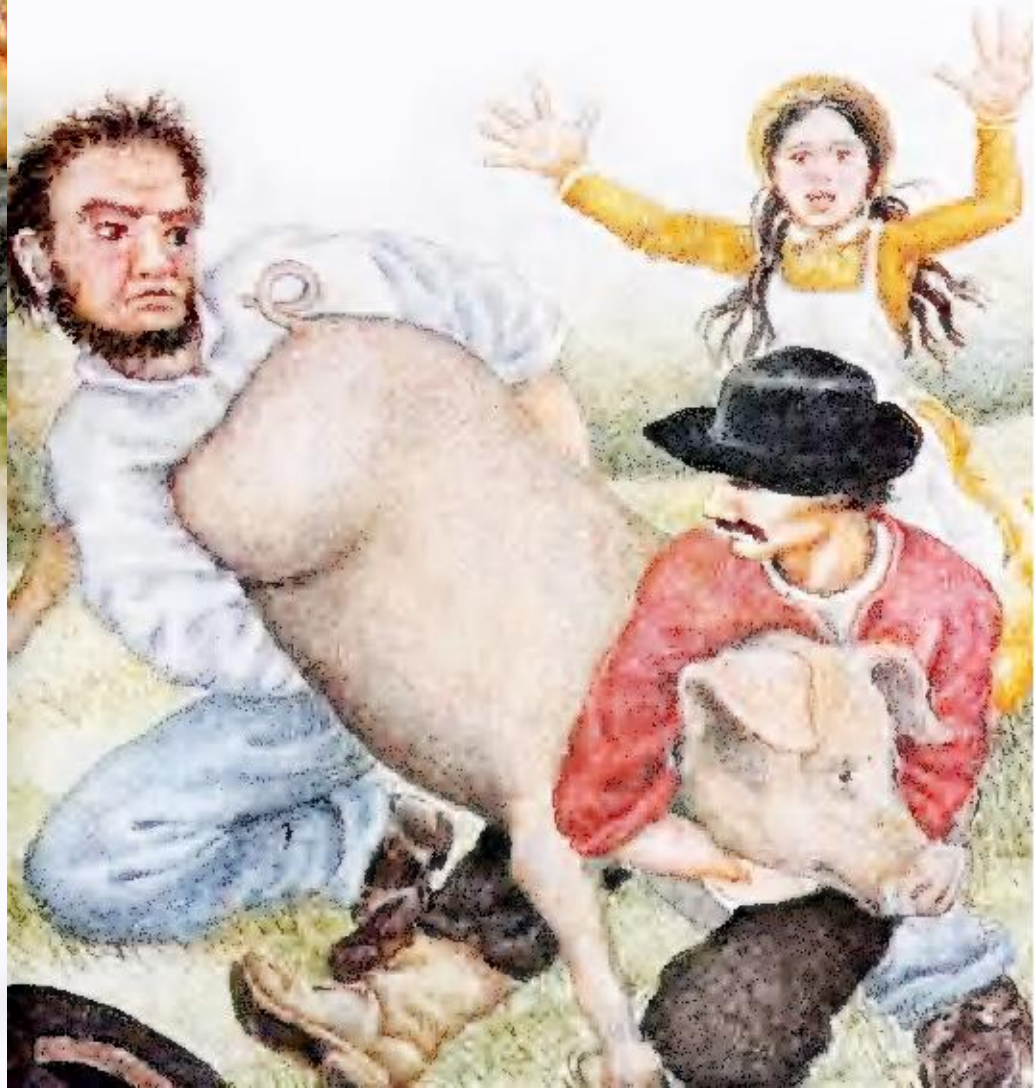

ऐब लिंकन एक चतुर वकील थे.

हर प्रकार की समस्या लेकर

लोग उनके पास आते थे.

वह सब की सहायता करते थे.

लेकिन उनकी अपनी भी एक समस्या थी.

वह पत्रों का उत्तर देना भूल जाते थे.

वह भूल जाते थे कि अपने

ज़रुरी कागज़ उन्होंने कहाँ रखे थे.

एक अच्छा वकील भूलने की गलती नहीं कर सकता.

ऐब एक अच्छा वकील बनना चाहते थे.

लेकिन अपने कागज़ वह संभाल कर न रख पाते थे.

वह क्या कर सकते थे?

ऐब को एक युक्ति सुझाई दी.

उनकी ऊँची हैट!

इसके अंदर वह अपने कागज़ रख सकते थे.

कागज़ों को चमड़े के फीते से

बाँध सकते थे.

हैट उतारने पर उसके अंदर रखे

कागज़ देख कर उन्हें याद आ जायेगा

कि उन्हें क्या करना था.

यह युक्ति ज़्यादातर काम कर जाती.

एक दिन कुछ लड़कों ने ऐब के साथ

एक शरारत की.

उन्होंने रास्ते के आर-पार एक रस्सी बांध दी.

इसे उन्होंने बड़ी ऊँचाई पर बाँधा.

सब लोग रस्सी के नीचे से जा सकते थे,

सिवाय ऐब लिंकन के.

जब ऐब उस रास्ते पर चलते हुए आए

तो रस्सी से टकरा कर उनकी हैट नीचे गिर गई.

हैट में रखे कागज़ यहाँ-वहाँ उड़ गए.

उन्हें उठाने के लिए वह झुके.

तभी अपने छिपने की जगह से लड़के बाहर भागे.

वह ऐब पर कूदने लगे.

ऐब हँस पड़े.

उन्हें लड़कों पर गुस्सा न आया.

उन्हें अच्छी शरारतें पसंद थीं.

लेकिन इस घटना के बाद भी हैट में

कागज़ रखना उन्होंने बंद न किया.

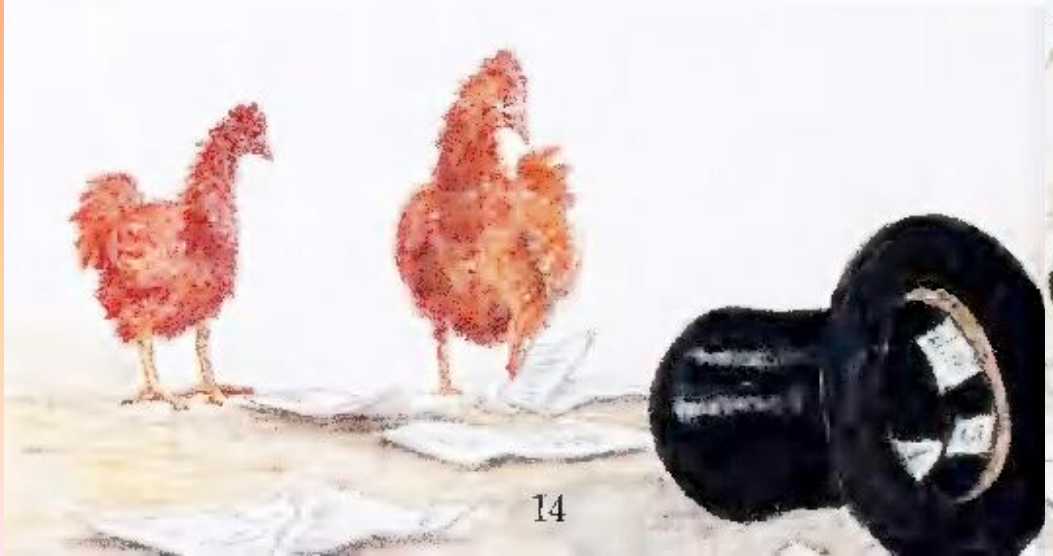

एक बार एक वकील ने ऐब को एक पत्र भेजा.

ऐब ने उसे हैट में रख लिया.

अगले दिन ऐब ने एक नई हैट खरीदी.

अपनी पुरानी हैट उन्होंने रख दी.

कई सप्ताह बाद वकील ने दुबारा पत्र लिखा:

“आपने मेरे पत्र का उत्तर क्यों नहीं दिया?”

फिर ऐब को याद आया.

वह पत्र अभी भी उनकी पुरानी हैट में था.

इलिनाय के कई नगरों में

वकील और जज न थे.

इसलिए हर वसंत और पतझड़ के समय

एक जज और कुछ वकील

एक नगर से दूसरे नगर जाया करते थे.

ऐब भी जाते थे.

अपनी हैट में वह सारे कागज़

और अपनी चैकबुक और

एक रुमाल रख लेते थे.

वकीलों के इस दल के आगे जज

अपनी घोड़ा-गाड़ी में चलता था.

कोई उसे अनदेखा न कर सकता था.

उसका वज़न तीन सौ पाउंड से अधिक था.

उसकी गाड़ी को दो घोड़े खींचते थे.

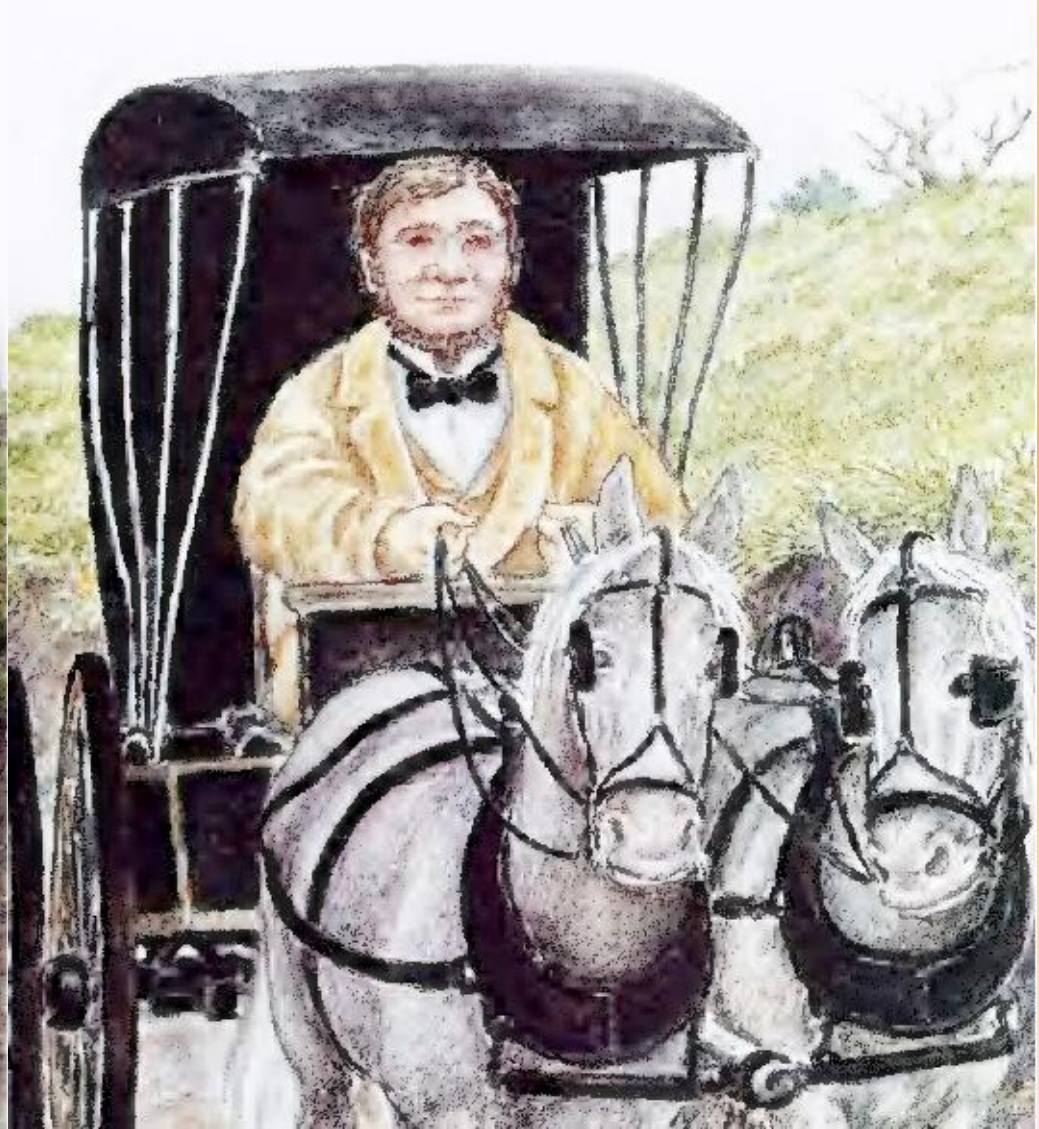

ऐब का घोड़ा कमज़ोर था और धीरे चलता था.

उसका नाम था 'ओल्ड बक'.

ऐब और ओल्ड बक

सुनसान रास्तों से जाते थे.

बर्फ में.

बारिश में.

कीचड़ में.

वह यात्रायें ऐब को थका देती थीं.

वह नर्म बिस्तर और अच्छे खाने के

सपने देखते थे.

लेकिन वकीलों को

सस्ती सरायों में ठहरना पड़ता था.

खाना अच्छा न होता था.

कमरे ठंडे होते थे.

बिस्तर में खटमल होते थे.

एक बिस्तर में दो वकीलों को सोना पड़ता था.

सिवाय जज के.

उसका अलग बिस्तर होता था.

बहुत सवेरे ही
अदालत की घंटी बजने लगती.
ऐब झटपट अदालत की ओर चल पड़ते.
एक जगह अदालत के नीचे सूअर रहते थे.
सूअरों के चीखने-चिल्लाने के कारण
ऐब को ऊँची आवाज़ में बोलना पड़ता था.

दूर-दूर से लोग ऐब को सुनने आते थे.
वह इस तरह बहस करते थे कि
मुकदमे को समझना सरल हो जाता था.
वह कहानियाँ और चुटकुले सुनाते.
लोग कहते कि वह एक बिल्ली
को भी हँसा सकते थे.

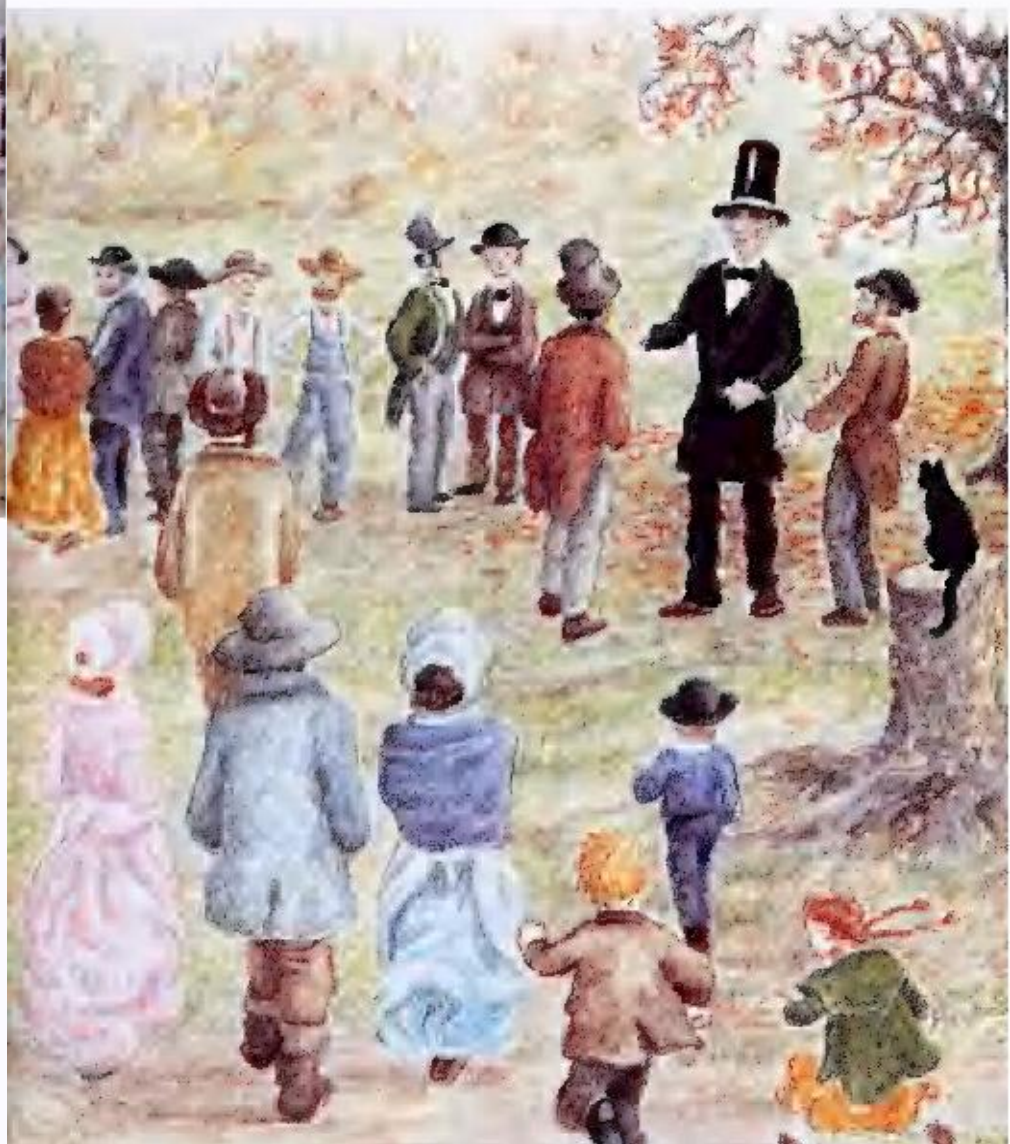

एक बार ऐब ने धीमी आवाज़ में

दूसरे वकील के कान में चुटकुला सुनाया.

वकील ज़ोर से हँस दिया.

“खामोश!” जज चिल्लाया.

“तुम्हें पाँच डालर का जुर्माना लगाया जाता है.”

जब मुकदमा खत्म हो गया तो

जज ने चुटकुला सुनाने के लिए कहा.

वह भी वकील की तरह ज़ोर से हँसा.

“यह तो पाँच ड़ालर से अधिक मूल्यवान था,”

जज ने कहा. “जुर्माना भूल जाओ.”

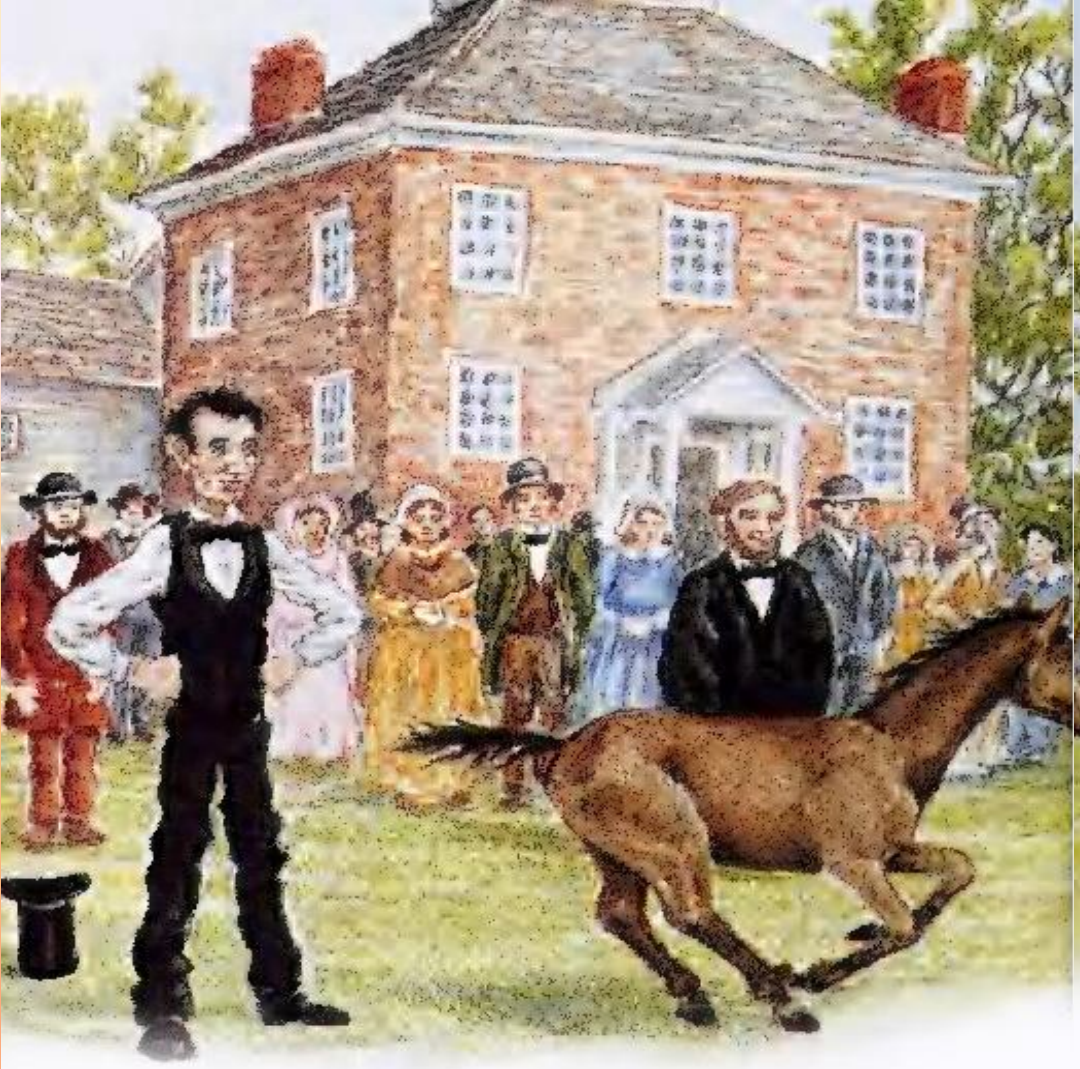

एक अन्य मुकदमे में
दो आदमी एक युवा घोड़े के स्वामित्व
के लिए तकरार कर रहे थे.
प्रत्येक ने दावा किया कि वह उस नन्हें घोड़े की
माँ का स्वामी था.

ऐब सबको अदालत से बाहर ले आए.
वहाँ उन्होंने एक बगीचे के एक तरफ
दो घोड़ों को खड़ा कर दिया.
घोड़े के बच्चे को वह बगीचे के दूसरी ओर ले गए.
फिर उन्होंने घोड़े के बच्चे को छोड़ दिया.
बच्चा सीधा अपनी माँ की ओर भागा.

एक दिन ऐब को एक पत्र मिला.

यह पत्र हैन्ना आर्मस्ट्रांग का था.

कई वर्ष पहले ऐब

उनके परिवार के साथ रहे थे.

मिसेज़ आर्मस्ट्रांग ऐब के लिए खाना पकाती थी.

उनके फटे हुए कपड़े सिलती थी.

अब उसने ऐब से सहायता की गुहार लगाई थी.

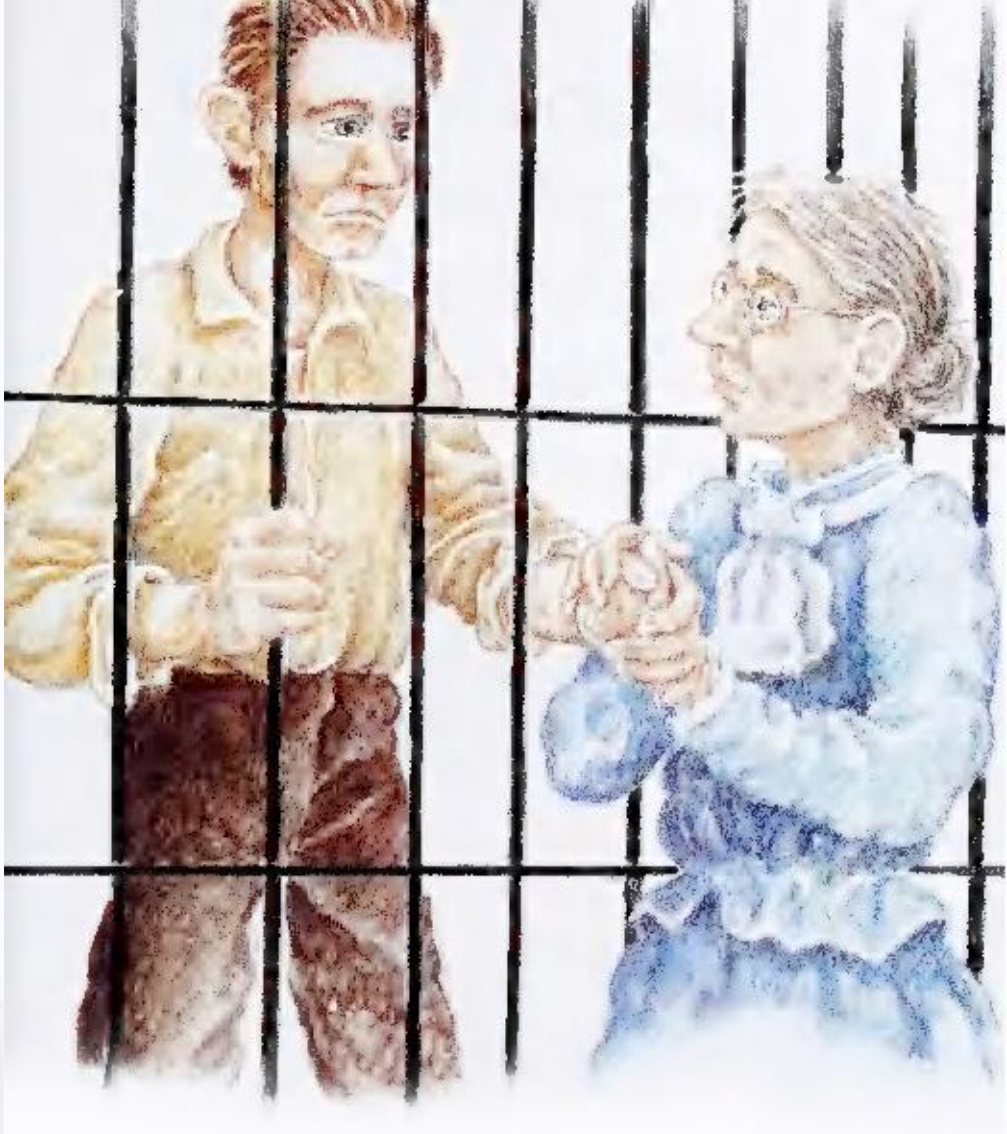

उसका बेटा, डफ्फ, हत्या के आरोप में जेल में कैद था.

ऐब ने इस पत्र को हैट में नहीं रखा.

उन्होंने उसी पल उसका उत्तर दिया:

“बेशक मैं आपकी सहायता करूँगा.”

डफ्फ की किसी से लड़ाई हुई थी.

उस समय अँधेरा था.

लेकिन एक आदमी ने कहा था कि

उसने डफ्फ को किसी की

हत्या करते देखा था.

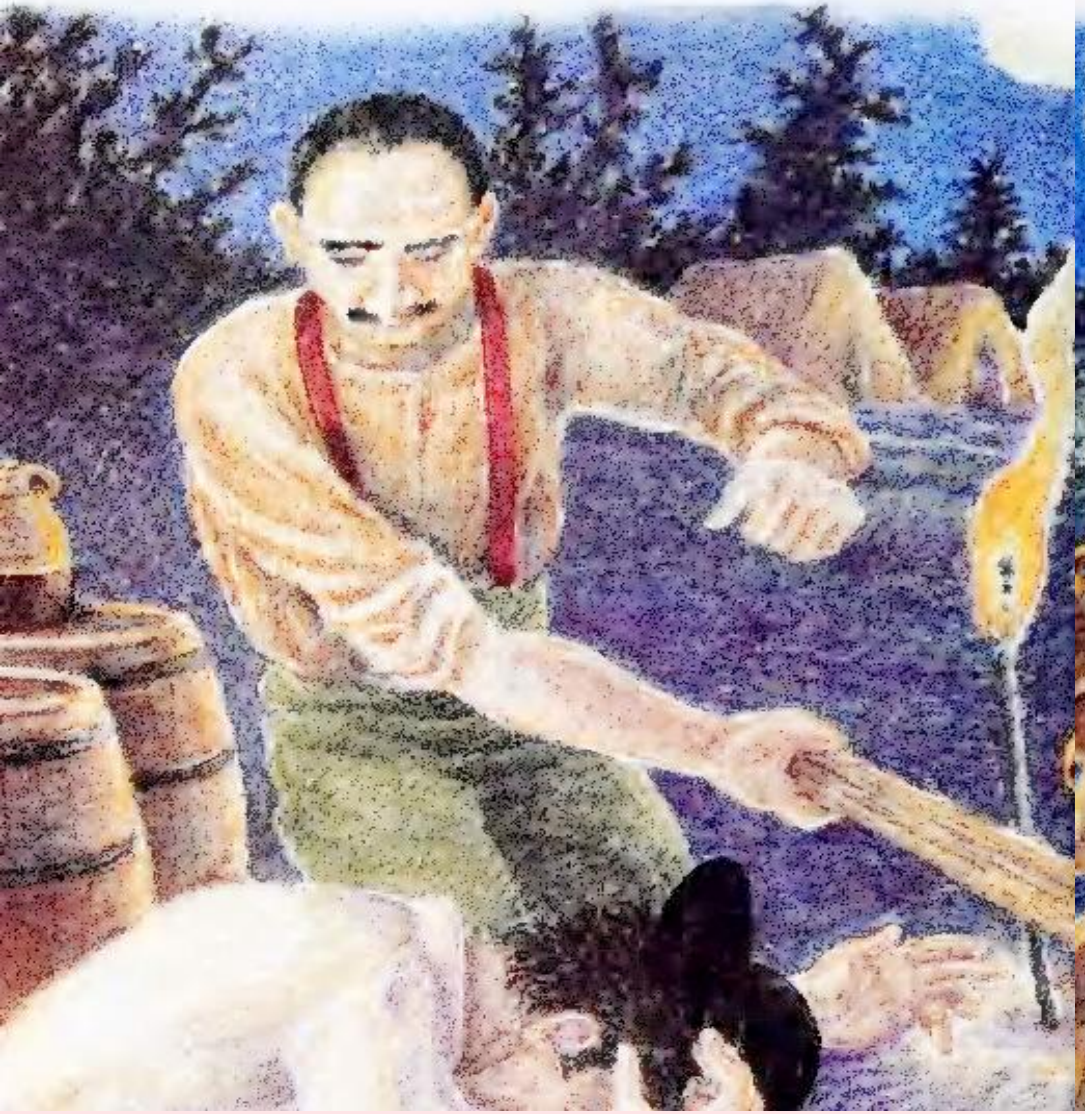

डफ्फ ने कहा कि उसने हत्या नहीं की थी.

ऐब ने डफ्फ का विश्वास किया.

लेकिन वह यह कैसे साबित कर सकते थे

कि गवाह गलत था या

झूठ बोल रहा था?

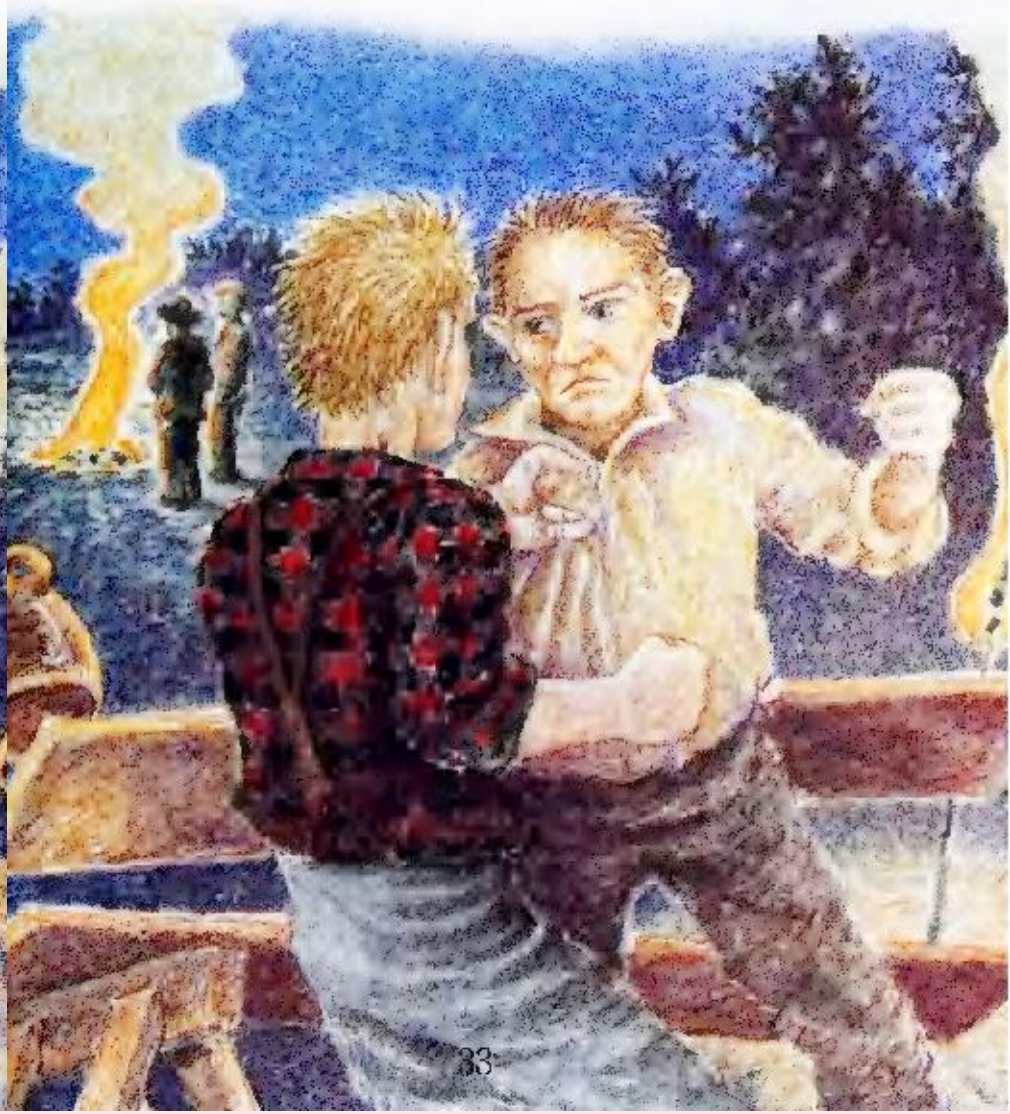

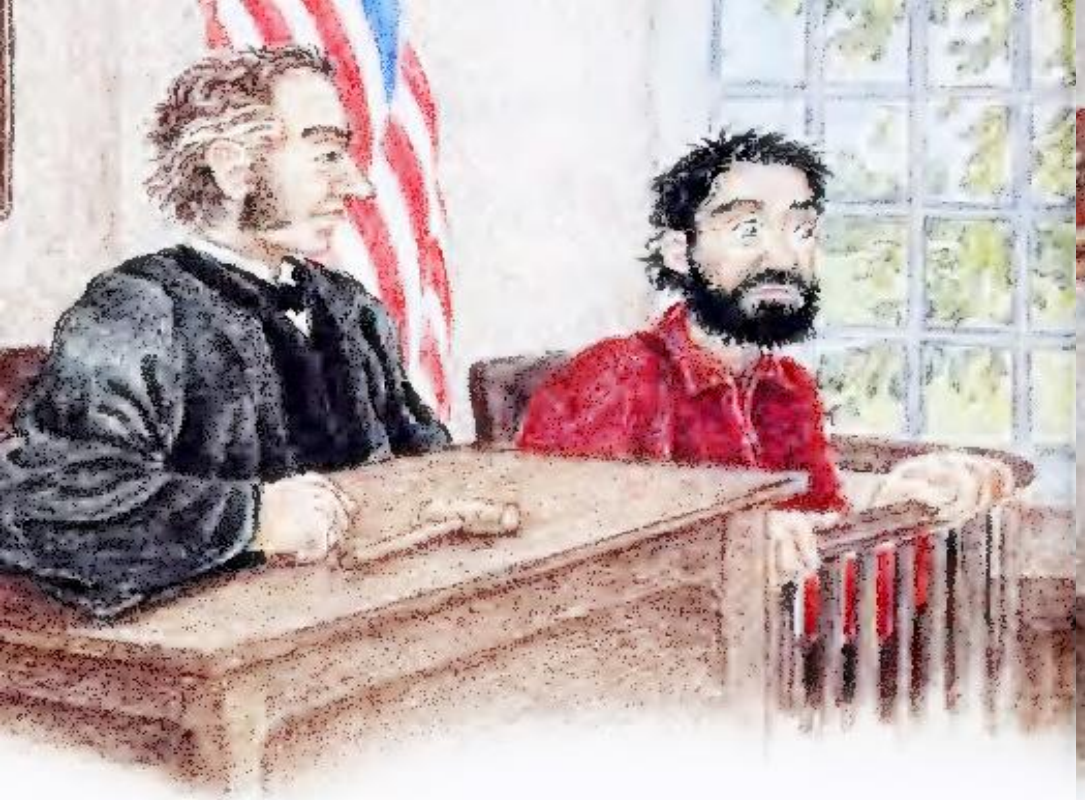

“तुम अँधेरे में कैसे देख पाये?”

ऐब ने उस आदमी से पूछा.

“पूर्णिमा की रात थी,” उस आदमी ने कहा.

“दिन के समान प्रकाश था.”

“क्या तुम्हें पूरा विश्वास है कि पूर्ण चांद था?”

ऐब ने बार-बार पूछा.

“हाँ,” आदमी ने उत्तर दोहराया.

फिर ऐब ने तथ्यों की एक प्रसिद्ध किताब

अदालत को दिखाई.

किताब में लिखा था कि लड़ाई के समय

आकाश में चाँद नहीं था.

अब किसी को उस आदमी की बात का

विश्वास न रहा.

जज ने डफ्फ को बरी कर दिया.

ऐब दास प्रथा को गलत मानते थे.

उनके राज्य में इसके विरुद्ध कानून थे.

लेकिन यह कानून स्पष्ट न थे.

कई अश्वेतों के साथ दासों जैसा व्यवहार किया जाता था.

नैन्स एक ऐसी अश्वेत थी.

वह एक स्टोर में काम करती थी

और स्टोर के मालिक ने उसे

दूसरे आदमी को बेच दिया था.

यह आदमी नैन्स के साथ बुरा बर्ताव करता था.

इसलिए उसने काम करने से मना कर दिया.

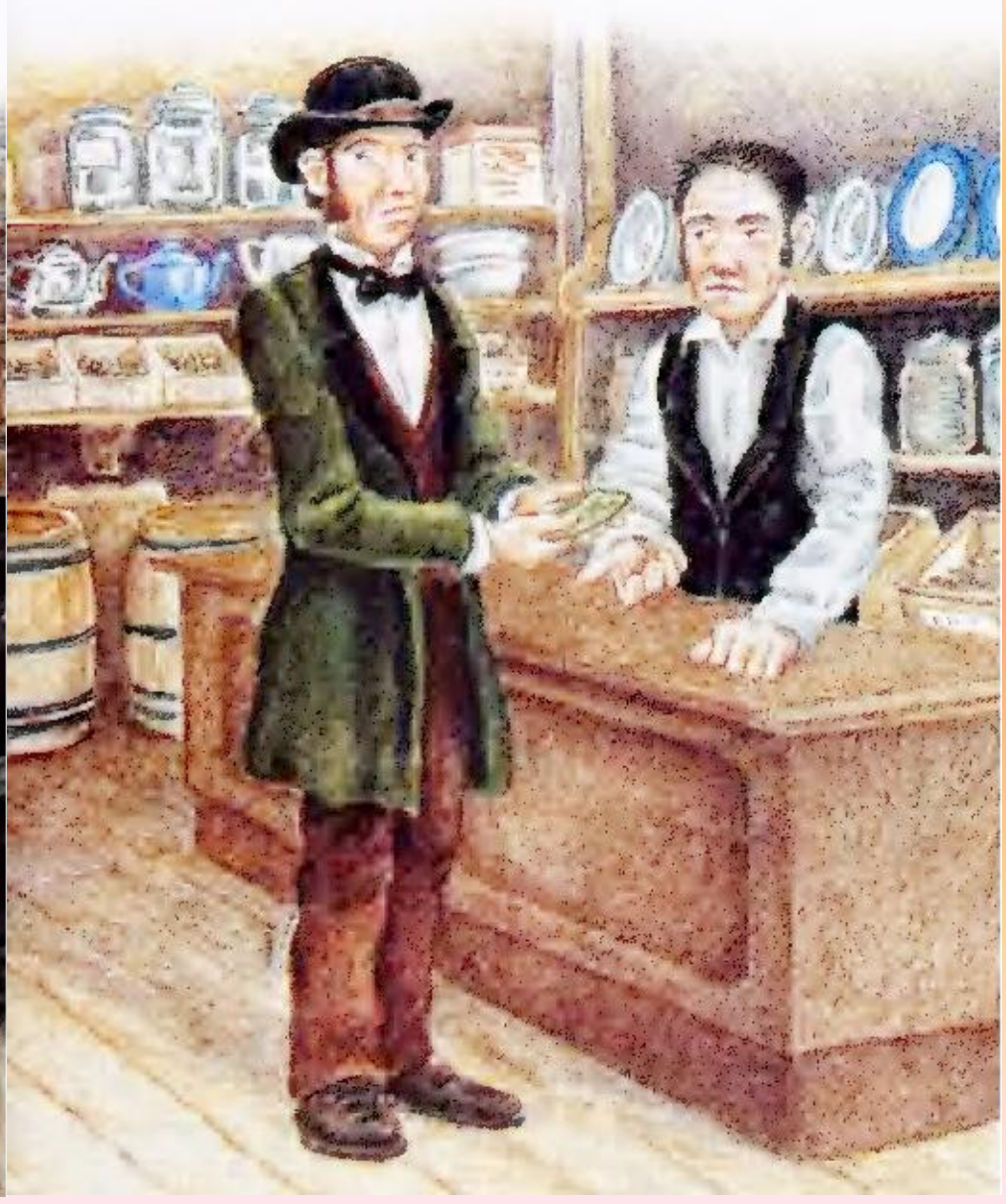

ऐब ने नैन्स का केस अदालत में लड़ा.

इलिनाय में दास प्रथा पर प्रतिबंध था, ऐब ने कहा.

सब लोग स्वतंत्र थे,

उनका चाहे कोई भी रंग हो.

जज ने निर्णय दिया कि ऐब सही थे.

इस घटना के बाद इलिनाय में किसी को

खरीदा या बेचा नहीं जा सकता था.

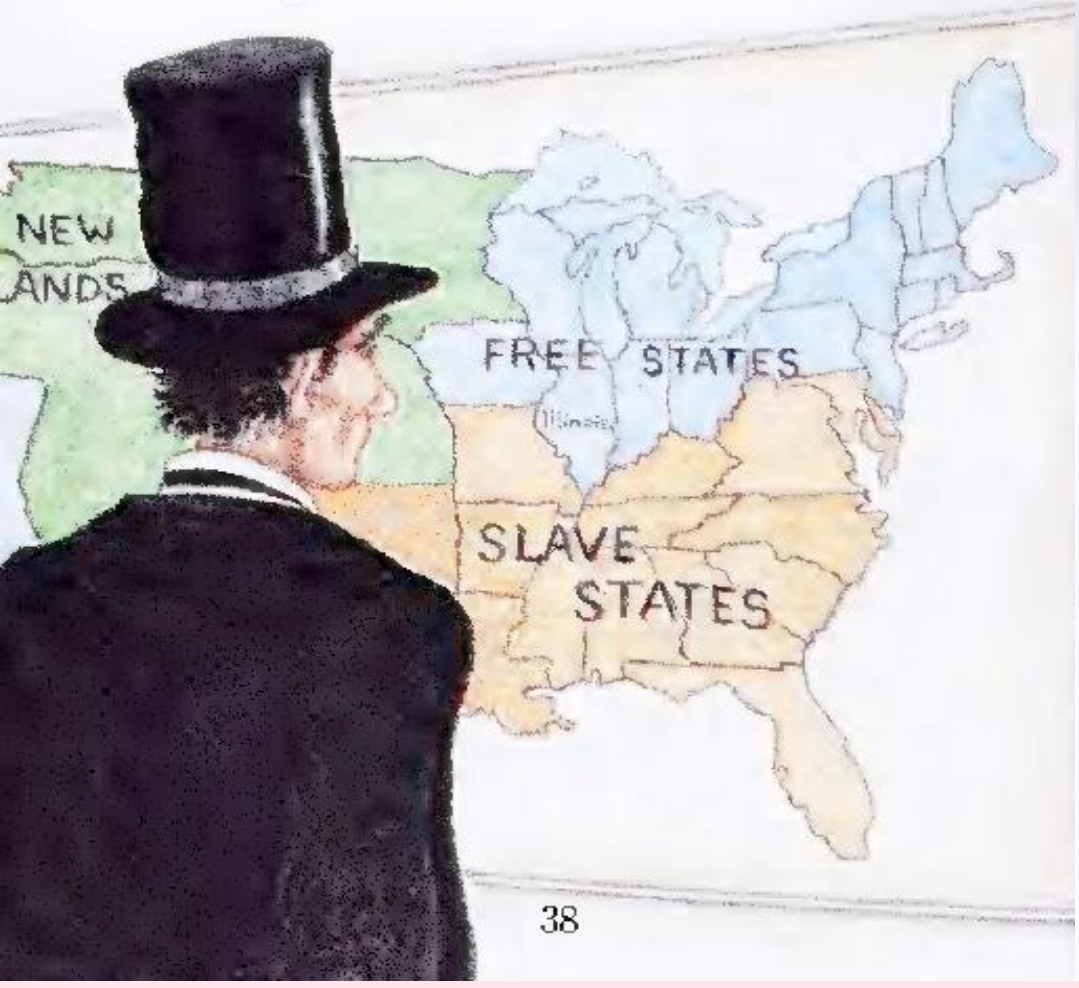

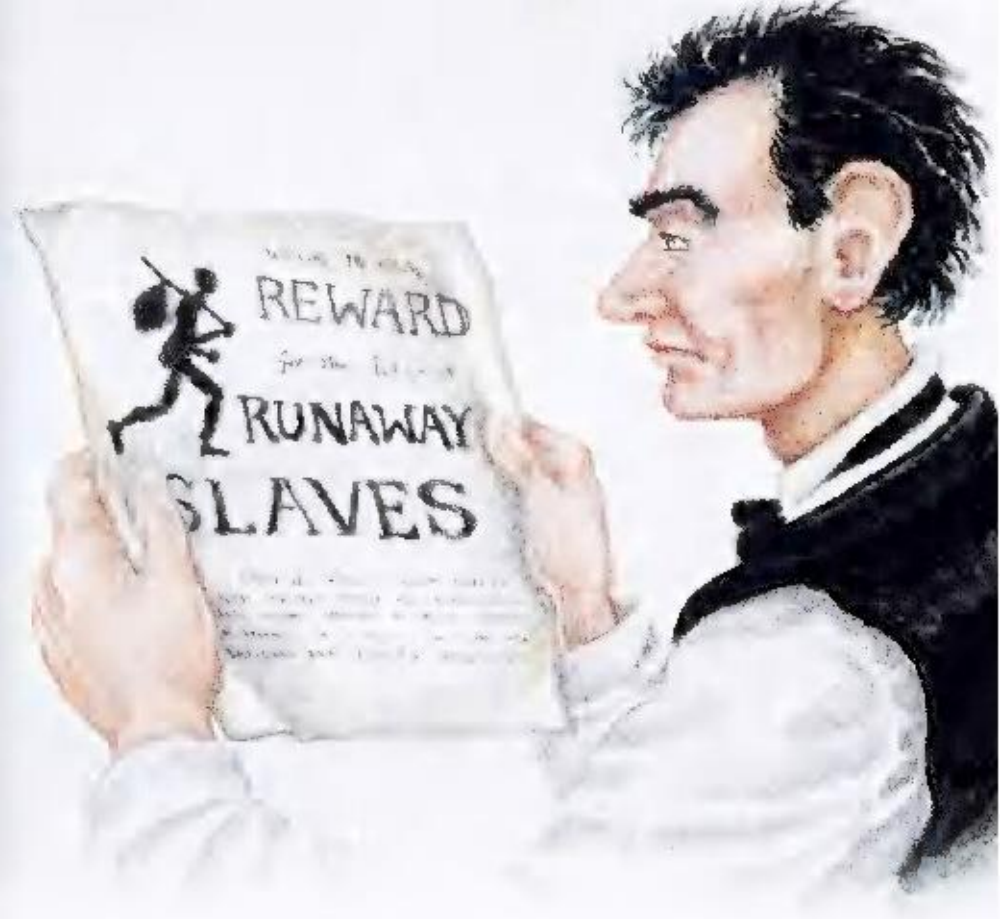

ऐब ने नैन्स को बचा लिया था.

लेकिन अमरीका के कई राज्यों में

दास प्रथा का चलन था.

कुछ ही वर्षों में पश्चिम क्षेत्र में

नये राज्य बनने की संभावना थी.

ऐब चाहते थे कि इन नये राज्यों में

दास प्रथा न फैले.

ऐब ने यू एस की सैनेट का सदस्य

बनने का प्रयास किया.

चुनाव जीत कर वह दास प्रथा को

समाप्त करने के लिए कानून बना सकते थे.

उन्होंने स्टीफन डॉग्लस के विरुद्ध चुनाव लड़ा.

डॉग्लस ने तर्क दिया कि हर राज्य को निर्णय

लेना चाहिए कि वहाँ दास प्रथा होनी चाहिए या नहीं.

उन्होंने इलिनाय में कई जगह भाषण दिए.

हज़ारों लोगों ने उन्हें सुना.

ऐब हार गए लेकिन वह बहुत प्रसिद्ध हो गए.

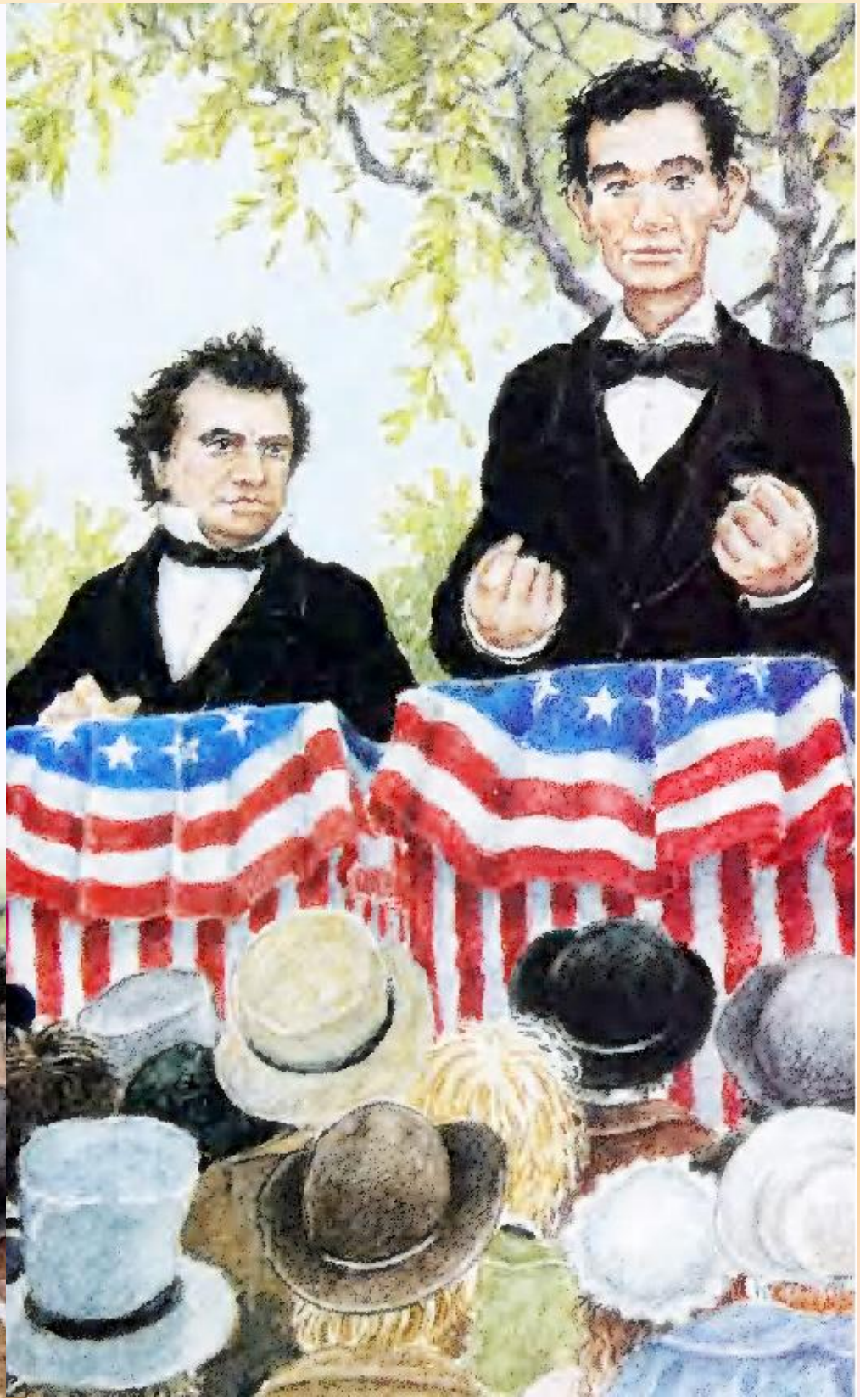

1860 में ऐब ने राष्ट्रपति के पद का चुनाव लड़ा.

स्टीफन डॉग्लस भी चुनाव में खड़े हुए.

इस बार ऐब जीत गए.

नया पद ग्रहण करने से पहले ऐब ने दाढ़ी बड़ा ली.

अपने परिवार के साथ वह वाशिंगटन आ गए.

हर स्टेशन पर लोगों ने अपने

नये राष्ट्रपति का अभिवादन किया.

राष्ट्रपति के रुप में अपना
पहला भाषण देने के लिए वह तैयार थे.
एक छड़ी, रेशम की ऊँची हैट और अपना भाषण
वह साथ लाए थे.
अपनी हैट रखने के लिए वह
जगह खोजने लगे.
स्टीफन डॉग्लस आगे आए.
“अगर मैं राष्ट्रपति नहीं बन सकता,”
डॉग्लस ने कहा, “तो कम से कम
मैं उनकी हैट पकड़ सकता हूँ.”

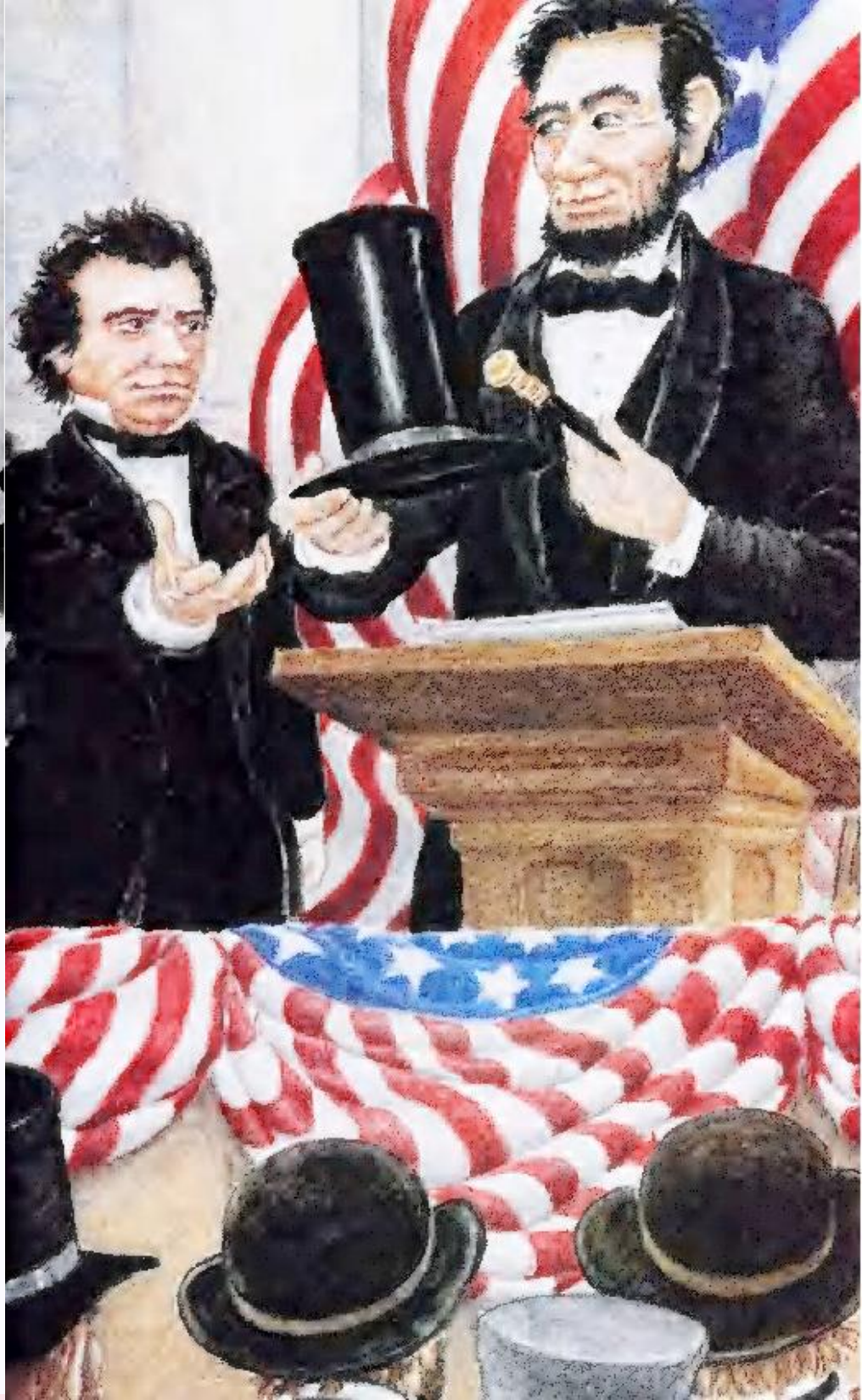

ऐब लिंकन एक महान राष्ट्रपति थे.

उन्होंने दासों को मुक्त कर दिया.

उन्होंने निष्पक्ष कानून बनाए.

एक लंबे युद्ध के बाद उन्होंने

देश को एकजुट रखने का काम किया.

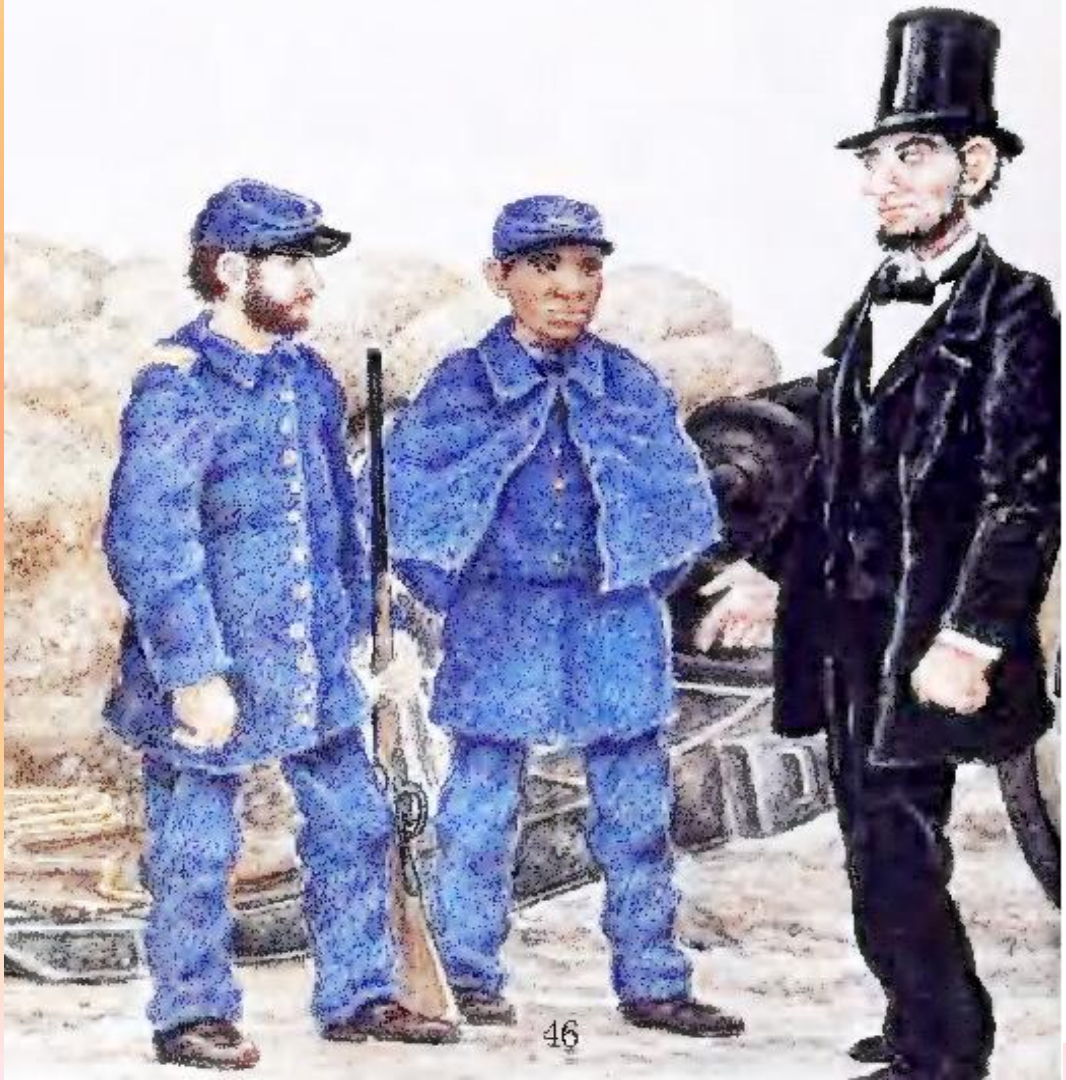

लेकिन अपना काम करने का तरीका उन्होंने नहीं बदला.

अपने आवश्यक कागज़ वह हमेशा

अपनी हैट में ही रखते थे.

जज डेविड डेविस

डफ्फ आर्मस्ट्रांग

स्टीफन डॉग्लस

अब्राहम लिंकन

इस कहानी में लिखी सब कहानियाँ सच हैं. कुछ लोगों की तस्वीरें यहाँ छपी हैं. 1860 के आसपास जब यह तस्वीरें ली गई थीं तब कैमरे का नया-नया आविष्कार हुआ था.